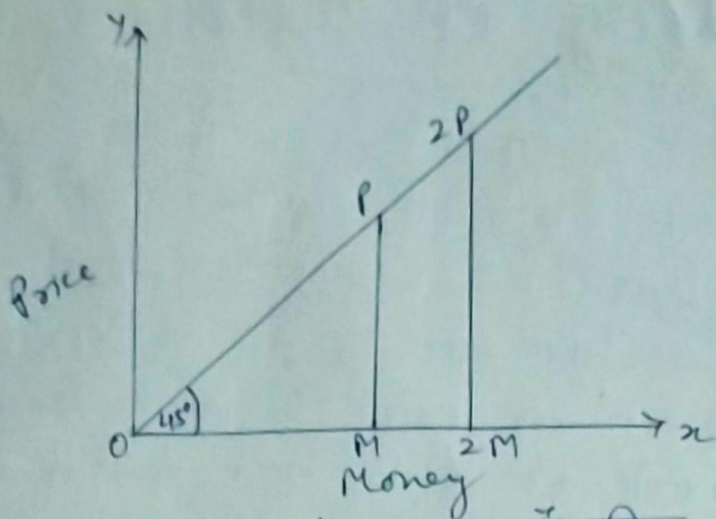


Theory of Inflation

पुर्च की मांग की तुलना में मांग अधिक के कारण कीमतों में वृद्धि को मुद्रा स्थिति कहा जाता है। जैसे मुद्रा स्थिति से वास्तविक सामान्य कीमत स्तर में वृद्धि होती है लेकिन मुद्रा स्थिति वह स्थिति है जिसमें वस्तुओं तथा सेवाओं की कीमतें बहुत तेजी से बढ़ती हैं जबकि वस्तुओं तथा सेवाओं का उत्पादन उस गति से नहीं बढ़ता। इस तरह वस्तु की मांग एवं पूर्ति में असंतुलन के कारण कीमतें तेजी से बढ़ने लगती हैं।

classical economists से मुद्रा स्थिति लेकर Modern economists ने मुद्रा स्थिति की व्याख्या अलग अलग ढंग से की है। मुद्रा स्थिति के संदर्भ में सर्वप्रथम classical economists ने विचार प्रस्तुत किया। उनके अनुसार "मुद्रा की मात्रा और कीमत में सीधा और आनुपातिक संबंध होता है। जब मुद्रा की मात्रा में वृद्धि होती है तो स्थिति का जन्म होता है।"

मुद्रा स्थिति दर को नया मुद्रा सृजन दर प्रमाणित करता है। $\frac{\Delta M}{M}$ के द्वारा ΔP प्रमाणित होती। अगर $\frac{\Delta M}{M} = 3\%$ per year, तब मुद्रा वृद्धि $\Delta P = 3\%$ per year। Classical economists के मुद्रा स्थिति संबंधित धारणा को रेखाचित्र से प्रदर्शित किया जा सकता है —



उपर के चित्र से स्पष्ट है कि मुद्रास्फीति या मुल्यवृद्धि का कारण मुद्रा की मात्रा में वृद्धि है।

Wicksell & classical अर्थशास्त्रियों की मुद्रा स्थिति सिद्धान्त की कड़ी आलोचना किंग ऑफोर्ड ने यह सिद्धान्त यह नहीं बतलाता है कि मुद्रा की मात्रा में वृद्धि से कैसे मुल्य में वृद्धि होती है।

मुद्रास्फीति का वस्तु की मांग तथा पूर्ति या वस्तु का उत्पादन लागत प्रभावित करता है इस सम्बन्ध में किंग अर्थशास्त्रियों के विचार-विमत विचार हैं। इसलिए मुद्रास्फीति सिद्धान्त को दो भागों में बाँटा जाता है -

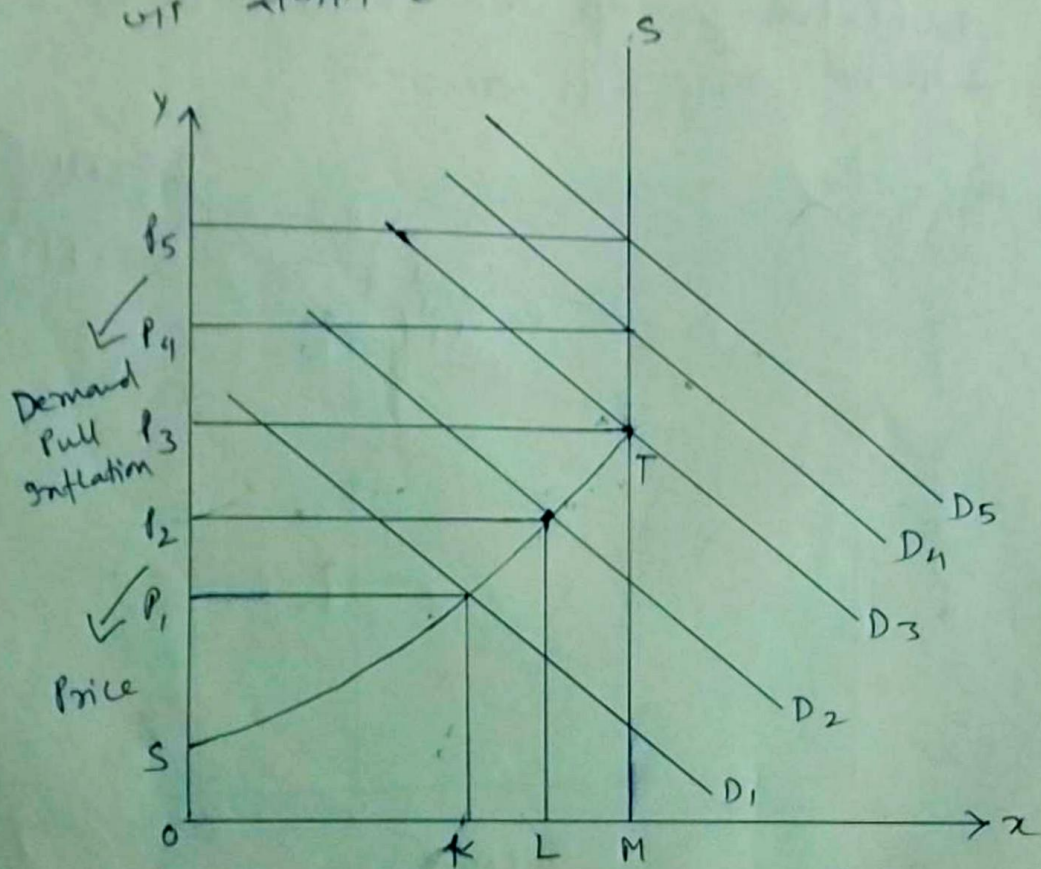
1. Demand Pull Inflation
2. Cost Push Inflation

1. Demand Pull Inflation

Demand Pull inflation उस मुल्य वृद्धि को कहते हैं जब वस्तु की लागत एवं पूर्ति रेखा स्थिर रहती है, किन्तु वस्तु की मांग बढ़ जाती है।

Craemer Ackley के अनुसार "Demand pull inflation occurs only when supply of commodity fixed, demand is rising continuously and consequently price is also rising continuously."

निम्न रेखाचित्र की सहायता से Demand pull inflation को स्पष्ट किया जा सकता है -

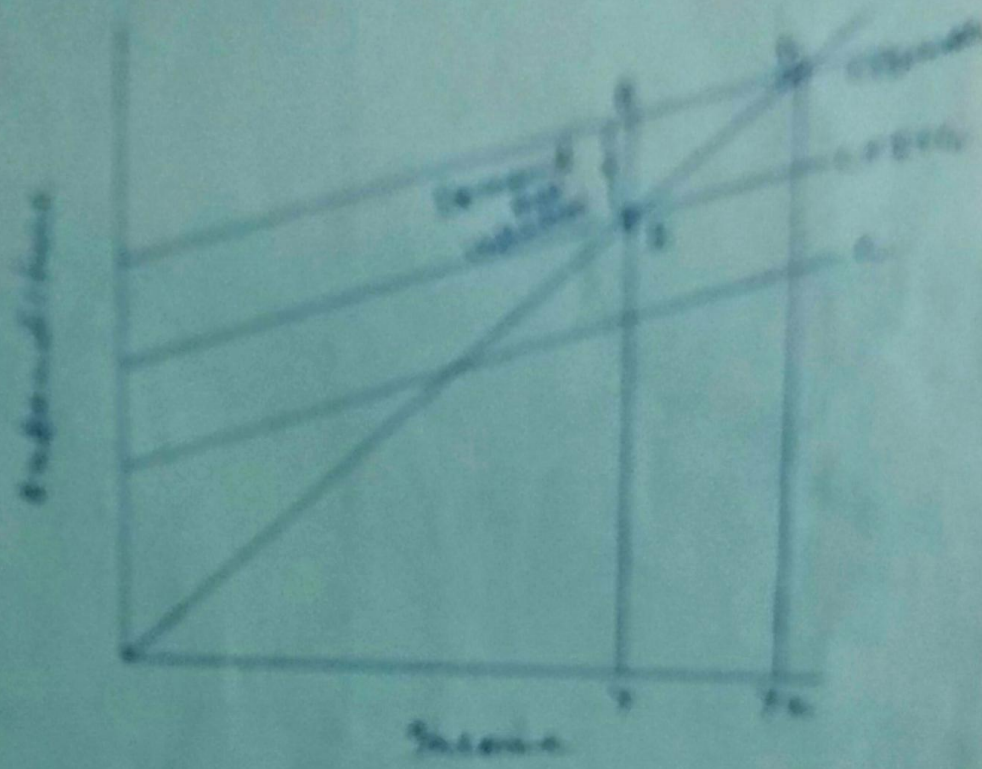


Demand and Supply

उपरोक्त चित्र में जब मांग D_3 से बढ़ती है तो प्रति OM स्थिर रहती है फलस्वरूप मूल्य बढ़कर P_4 तथा P_5 हो जाती है। इस मूल्य बढ़ने को Demand pull inflation कहते हैं।

to illustrate the effect of a change in
 the demand curve for a product

Suppose the demand curve for a product shifts
 from D_1 to D_2 . The initial equilibrium is at
 price P_1 and quantity Q_1 . The new equilibrium
 is at price P_2 and quantity Q_2 . The change in
 price is $P_2 - P_1$ and the change in quantity
 is $Q_2 - Q_1$.



The change in consumer surplus is the area shaded in the graph. This area represents the increase in the total surplus of consumers due to the shift in the demand curve.